कार्यशाला — दो दिवसीय कार्यशाला के बाद विद्यार्थियों ने तैयार कीं गणेश प्रतिमाएं

छात्रों ने गढ़ी इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं

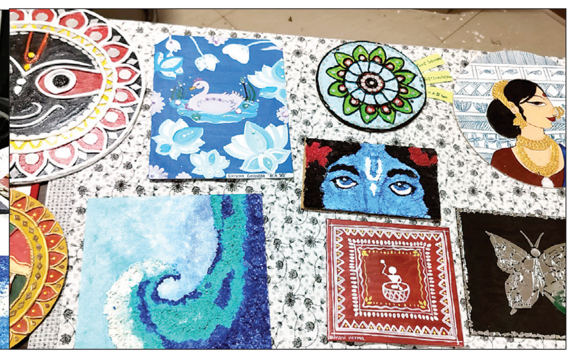

नवभारत ,जबलपुर । गणेशोत्सव के बीच पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं तैयार की हैं। व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान की ओर से विद्यार्थियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर मिट्टी और चाक पाउडर से प्रतिमा निर्माण कराया गया। अब विद्यार्थियों की बनाई प्रतिमाओं और सजावटी सामग्री की प्रदर्शनी 12 से 18 सितंबर तक विज्ञान भवन स्थित कौशल विकास संस्थान में लगाई जा रही है। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाओं को आकार दिया। इसका उद्देश्य पारंपरिक कला को सीखने के साथ प्लास्टर ऑफ पेरिस और अन्य पर्यावरण के लिए नुकसानदायक सामग्री के विकल्प के तौर पर मिट्टी की प्रतिमाओं को बढ़ावा देना है। तैयार प्रतिमाओं को आकर्षक रूप देने के लिए विद्यार्थियों ने प्राकृतिक और सजावटी सामग्री का भी इस्तेमाल किया।

हुनर से स्वरोजगार की ओर कदम

कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के रचनात्मक और हस्तकौशल को विकसित करने वाली गतिविधियां उन्हें भविष्य में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। वहीं कुलसचिव डॉ. रवि शंकर सोनवाल के अनुसार ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की कला और हुनर को सामने लाने का अवसर मिलता है।

एक सप्ताह देख सकेंगे प्रतिमाएं

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा तैयार गणेश प्रतिमाओं और सजावट की सामग्री की प्रदर्शनी 18 सितंबर तक कार्यदिवसों में नि:शुल्क देखी जा सकेगी। इसमें विद्यार्थी ही नहीं, आमजन भी पहुंचकर प्रतिमाओं को देख सकते हैं। कुलसचिव डॉ. रवि शंकर सोनवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के भीतर मौजूद कला और हुनर को सामने लाने में मदद करते हैं।प्रदर्शनी के दौरान डॉ. मीनल दुबे, जाओफिशा मंसब, रविता सिंह, शक्ति चौधरी, सविता पहाड़िया और नंद कुमार यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

इनका कहना है

वर्कशॉप में पहली बार प्रतिमा बनाने का मौका मिला। इसमें सिर्फ गणेश जी की प्रतिमा बनाना ही नहीं, बल्कि मिट्टी को संभालने और उसे सही आकार देने की तकनीक भी सीखी। आगे इस हुनर को और बेहतर करना चाहती हूं।

सोनाली तुलसियानी

आमतौर पर बाजार में बनी-बनाई प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं, लेकिन यहां विद्यार्थियों ने खुद गणेश प्रतिमाएं बनाई हैं। इससे उनकी मेहनत और क्रिएटिविटी दोनों दिखाई देती हैं।

काजल जैसवाल

आधुनिक तकनीक-घटना प्रत्यारोपण की नई विधियों की दी जानकारी

यूनिकॉन्डिलर नी रिप्लेसमेंट पर वर्कशॉप का आयोजन

नवभारत,जबलपुर। ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और घुटना प्रत्यारोपण की नवीनतम विधियों पर केंद्रित एक दिवसीय यूनिकॉन्डिलर नी रिप्लेसमेंट वर्कशॉप का आयोजन होटल आईटीसी, जबलपुर में किया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा जबलपुर ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के सदस्यों के लिए आयोजित इस वर्कशॉप में ऑर्थोपेडिक सर्जन्स ने हिस्सा लिया। लाइव वर्कशॉप का संचालन मध्य भारत के प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हेमंत मंडोवरा ने किया। इस मौके पर डॉ. हेमंत मंडोवरा ने कहा, 'यूनिकॉन्डिलर नी रिप्लेसमेंट उन चुनिदा मरीजों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प है, जिनके घुटने का डैमेज किसी एक हिस्से तक सीमित रहता है। इस वर्कशॉप में लाइव सर्जरी और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से सर्जन्स को इस तकनीक की व्यावहारिक बारीकियों को समझने का अवसर मिला। इस तरह की वर्कशॉप सर्जन्स के कौशल को अपडेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लाइव सर्जरी ट्रेनिंग रही खासियत

वर्कशॉप की खासियत लाइव सर्जरी और सॉ बोन हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। लाइव सर्जरी के माध्यम से प्रतिभागी यूनिकॉन्डिलर नी रिप्लेसमेंट की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देख सके। वहीं सॉ बोन मॉडल पर हुए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण में चिकित्सकों को सर्जिकल तकनीक, बोन कटिंग और इम्प्लांट प्लेसमेंट से जुड़ी बारीकियों को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण के जरिए चिकित्सकों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ सर्जरी की तकनीकी प्रक्रिया को करीब से समझाने का अवसर मिला।

आधुनिक सर्जिकल तकनीक पर चर्चा

वर्कशॉप में यूनिकॉन्डिलर नी रिप्लेसमेंट से जुड़ी आधुनिक सर्जिकल तकनीकों, मरीज के सही चयन, सर्जिकल प्लानिंग और ऑपरेशन के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। कार्यक्रम का उद्देश्य सर्जन्स चिकित्सकों को इस तकनीक से जुड़ी नवीनतम जानकारी के साथ-साथ इसकी व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना था। वर्कशॉप में घुटना प्रत्यारोपण के क्षेत्र में हो रहे तकनीकी विकास और उनके क्लीनिकल उपयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। आयोजन में नेताजी सुभाष चंद्र मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के ऑर्थोपेडिक विभाग के हेड डॉ के के पांडे , जबलपुर के ऑर्थोपेडिक सर्जन एवं वर्कशॉप के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ उत्सव कटकवार की उपस्थिति सराहनीय रही।

एक नजर में

14 को मनाया जाएगा तीजोत्सव

नवभारत,जबलपुर। मप्र प्रगतिशील ब्राम्हण महासभा, जबलपुर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हरितालिका तीजोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर देवी जागरण ,सम्मान समारोह, भंडारा एवं प्रसाद वितरण एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि 14 सितंबर रात 8 बजे से अगले दिन सुबह तक शतकृतु आश्रम, दमोह नाका, हितकारणी स्कूल के पास, जबलपुर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संस्था ने समस्त सनातनी तीज व्रतधारी माताओं-बहनों एवं श्रद्धालु परिवारों से सादर आग्रह है कि इस पावन महापर्व में सपरिवार पधारकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं तथा धर्म, संस्कृति और सेवा के इस पुनीत संकल्प के सहभागी बनें।

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता चौथे सप्ताह में

नवभारत,जबलपुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) सौरभ नाटी शर्मा ने बताया है कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने, उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक विषयों के प्रति उनकी समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता अब अपने चौथे सप्ताह में प्रवेश कर रही है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कल्पना, विचारों और दृष्टिकोण को शब्दों एवं रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर मिल रहा है। श्री शर्मा के अनुसार प्रतियोगिता के चौथे सप्ताह में 'भारतीय शिक्षा व्यवस्था - अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय रखा गया है। इस विषय के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय शिक्षा व्यवस्था के गौरवशाली अतीत, वर्तमान में सामने आ रही चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। निबंध एवं चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, मौलिक सोच और कल्पनाशक्ति को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 13 सितंबर को जानकीरमण महाविद्यालय, आगा चौक, जबलपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है।

क्रिश्चियन स्कूल के छात्रों ने शिक्षकों का किया सम्मान

नवभारत,जबलपुर। क्रिश्चियन हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्रों द्वारा तीनपत्ती चौक स्थित सोनाली रेस्टोरेंट में अपने सम्मानित शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों द्वारा अपने शिक्षकों का तिलक लगाकर पुष्पहारों से स्वागत कर कई उपहार भेंट किए गए। सम्मानीय शिक्षकों में नरेश सिंगौर, राकेश बांड, यू एल, संजीव जेम्स, दीपक तिवारी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इस मौके पर शिक्षकों के द्वारा उपस्थित छात्रों उनके परिजनों के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

वहीं छात्रों में मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन, प्रदीप सराठे, मनोज तिवारी, आरिफ खान, मनीष जायसवाल, मधुर परनामी, नीतेश रापर्तिवार, प्रभात उपाध्याय, मनोज श्रीवास्तव, मिर्जा साजिद बेग, जलज गुप्ता, शंकर विश्वकर्मा, अयाज खान, अरुण सोलंकी, अब्दुल निजाम, अनिल पाली, जावेद अहमद, राजेश साहू, नरेश साहू, पंकज सोलंकी, नरेश ढाका, अवनीश यादव, अभिषेक गुप्ता, जितेंद्र यादव, संजय अदानी, दिलशाद खान, राजेश गुप्ता मौजूद रहे।

श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर समिति ने निकाली सांध्य फेरी

नवभारत,जबलपुर। श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर, एकता विहार, रतन नगर रोड, जबलपुर में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश उत्सव श्री सुप्तेश्वर विकास समिति द्वारा 12 दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सांध्य फेरी निकाली गई, जिसमें संदीप जैन जे.डी.ए. अध्यक्ष, लेखराज सिंह मुन्ना भैया, अभय सिंह ठाकुर, नरेश पटेल, शामिल रहे। सांध्य फेरी का जगह-जगह स्वागत हुआ, जिसमें श्री राम मंदिर मदन महल खेरमाई माता मंदिर कृपाल चौक नर्मदा सभा शक्ति नगर के द्वारा स्वागत किया गया।

कुछ इस तरह होंगे आयोजन

आयोजकों ने बताया कि सोमवार 14 सितंबर को श्री गणेश जन्मोत्सव दोपहर 12 बजे बाद अखंड रामायण

पाठ आरंभ सायंकाल 4 बजे से, मंगलवार 15 सितंबर को श्री अखण्ड रामायण पाठ पूर्णाहुति सायंकाल 4 बजे तत्पश्चात रात्रि 8 बजे सुन्दर काण्ड का पाठ श्री सुप्तेश्वर विकास समिति द्वारा की जायेगी। बुधवार 16 सितंबर को भजन कीर्तन सायंकाल 4 बजे से श्री राम मंदिर मदनमहल महिला मंडल द्वारा, शनिवार 19 सितंबर, 11 बजे से रांगोली प्रतियोगिता एवं संगीतमय सुन्दर काण्ड सायं 4 बजे नेमा समाज मानस मंडल द्वारा, छठी महोत्सव रात्रि 8 बजे, भजन संध्या रात्रि 8. 18 बजे से शक्ति महिला मंडल द्वारा, रविवार 20 सितंबर को प्रात: 10.30 बजे से स्वास्थ्य शिविर, प्रात: 11 बजे से चित्रकला प्रतियोगिता, सायंकाल 6.30 बजे से ब्रास बैण्ड की धार्मिक प्रस्तुति, सायंकाल 7.30 बजे से एक दीपक श्री गणेश भगवान के नाम सामूहिक महाआरती सोमवार 21 सितंबर को सायं 6.30 बजे आरती की थाली सजाओ प्रतियोगिता, रात्रि 8 बजे से भजन संध्या- कामायनी इंटरटेनमेंट ग्रुप विजय जागलेकर, डायरेक्टर के निर्देशन में, मंगलवार 22 सितंबर को माँ नर्मदा महाआरती आचार्यों द्वारा, श्री गणेश वंदना एवं महाआरती सायं 7.30 बजे होगी, रात्रि 8 बजे से भजन संध्या, बुधवार 23 सितंबर को सायंकाल 4 बजे से छप्पन भोग एवं 7.30 बजे से महाआरती श्री सुप्तेश्वर विकास समिति वरिष्ठ साथियों द्वारा, रात्रि 8 बजे से भजन रितेश भट्ट ग्रुप जबलपुर द्वारा, गुरुवार 24 सितंबर सायंकाल 7.30 बजे महाआरती श्री सुप्तेश्वर युवा समिति द्वारा, रात्रि 8 बजे से भजन संध्या प्रीति सरगम सिंह द्वारा, शुक्रवार 25 सितंबर को दोपहर 12.30 बजे से विशाल भण्डारा होगा।

हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति की संवाहक : प्रो . अरुण शुक्ल

नवभारत,जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज जबलपुर में हिंदी विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में प्रो. अरुण शुक्ल, पूर्व विभागाध्यक्ष/प्राध्यापक हिंदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये हिंदी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाली समृद्ध भाषा है। हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति की संवाहक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने की। प्रो. चतुर्वेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में हिंदी का महत्व लगातार बढ़ रहा है। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय शोध नर्मदा पत्रिका विषय 'वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी: भाषा, साहित्य और तकनीक' का विमोचन प्रो. अरुण शुक्ल, प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, श्रीमती ललिता लोधी, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुषमा मौर्य शोधार्थी द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन डॉ. महेन्द्र कुशवाहा द्वारा किया गया।

14 सितंबर को होगा कवि सम्मेलन, शहर में जुटेंगे देश भर के कवि

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य अकादमी,भोपाल के संयोजन में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के अवसर पर अपरान्ह 2 बजे श्रीजानकीरमण महाविद्यालय रानीताल, जबलपुर के सभागार में कवि सम्मेलन सम्पन्न होने जा रहा है । जिसमें देश ख्यातिलब्ध कवि महेंद्र माथुर (आष्टा) एकाग्र शर्मा (इन्दौर) ईशान विघुत(रायपुर),सोनल जैन (सूरत), मंयक शर्मा (दुर्ग) राजसागरी (जबलपुर) विनोद जारोलिया नयन (जबलपुर) अपनी प्रस्तुतियां देंगे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संदीप जैन, अध्यक्ष जबलपुर विकास प्राधिकरण, अध्यक्षता शरदचंद्र

पालन करेंगें।

कार्यक्रम उपस्थिति की अपील डॉ पूजा शुक्ला निदेशक, एन.पी. नामदेव, संचालक, संस्कृति संचालनालय, भोपाल, डॉ.अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, स्थानीय संयोजक, डॉ.गंगाधर त्रिपाठी,डॉ.आनंद सिंह राणा, दविंदर सिंह ग्रोवर डॉ.कौशल दुबे,डॉ.शक्ति सिंह मंडलोई, अभिमन्यु जैन ,यू.एस दुबे,सुरेश मिश्र विचित्र, राजेश दुबे,आशुतोष तिवारी,डॉ संध्या जैन श्रुति,रविन्द्र राघव, डॉ अनामिका सिंह,मुकेश श्रीवास्तव आदि ने की है ।

आशीष बने उपाध्यक्ष, रितेश को ज्वाइंट सेक्रेटरी की जिम्मेदारी

नवभारत,जबलपुर। मजदूर संघ हथौड़ा द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियां की गई हैं। मजदूर संघ हथौड़ा के अध्यक्ष विनय गुप्ता एवं महामंत्री रोहित यादव ने संघ के सभी सदस्यों की अनुशंसा एवं सहमति के आधार पर आशीष विश्वकर्मा, अनुभाग जीएमएस को मजदूर संघ हथौड़ा का उपाध्यक्ष तथा रितेश बेन, अनुभाग एफ एंड ए को ज्वाइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया है। ये जानकारी एआईडीईएफ के मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास ने दी है।

संघ नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की नीतियों, कर्मचारी हितों एवं श्रमिक एकता को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। मजदूर संघ हथौड़ा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल कार्यकाल की कामना की है।

श्रावणरंग भावतरंग कार्यक्रम में गूंजी सुमधुर संगीतों की ध्वनि

मुंबई से पधारे गायक ने पेश की मनमोहक प्रस्तुतियां

नवभारत,जबलपुर। मानस भवन में शनिवार को मराठी साहित्य अकादमी व्दारा बोलावा विठ्ठल कार्यक्रम के अंर्तगत श्रावणरंग भावतरंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुम्बई से पधारे गायक भाग्यश्री देशपांडे एवं कृष्णा ठाकर ने सुन्दर प्रस्तुतियां दीं।

कौस्तुभ तलेकर ने तबला, मंदार दीक्षित ने हार्मोनियम एवं मधुकर घोगड़े ने पखावज पर सुंदर साथ की। इस कार्यक्रम मे दो पुस्तकों शिकूया मराठी जपूया मराठी एवं संत चोखामेला अमृतवाणी का विमोचन न्यायमूर्ती देवदत्त धर्माधिकारी एवं मराठी साहित्य अकादमी भोपाल के निदेशक संतोष गोडबोले ने किया। दीप प्रज्वलन नगर के कलाकार नीरजा बोधनकर, रेखा भालेराव, निलांगी कलंत्रे, भैरवी विश्वरूप, पारिजात साठे, पदुम्न कायंदे ने किया। कार्यक्रम में नाट्य कलाकारों रवि परांजपे एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन अजय फाटक एवं आभार प्रदर्शन स्वाती गाडगील ने किया। इस मौके पर पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले एवं डॉ स्वाती गोडबोले, सच्चिदानंद शेकटकर, दत्तात्रय कुलकर्णी, डॉ शिरीष नाईक, सुरेश मुंजे आदि उपस्थित थे।

ऑनलाइन गेमिंग — पुराने वीडियो गेम से हटा ध्यान, ऑनलाइन गेमिंग में युवाओं की ज्यादा दिलचस्पी

बदली गेमिंग की दुनिया, हाई-टेक ऑनलाइन गेमिंग तक पहुंची नई पीढ़ी

नवभारत , जबलपुर । कभी टीवी से जुड़े छोटे से गेमिंग सेट पर खेले जाने वाले वीडियो गेम आज मोबाइल, कंप्यूटर और कंसोल तक पहुंच चुके हैं। तकनीक के साथ गेमिंग का अंदाज भी तेजी से बदला है। अब खिलाड़ी अकेले गेम खेलने के बजाय ऑनलाइन दोस्तों और दूसरे खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करते हैं। 12 सितंबर को नेशनल वीडियो गेम्स डे के मौके पर गेमिंग की बदलती दुनिया और युवाओं के बीच बढ़ती इसकी दिलचस्पी चर्चा में है।

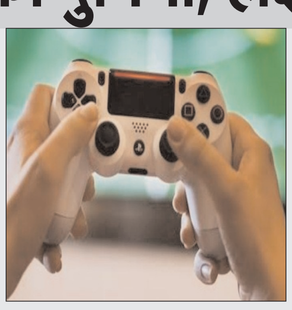

ई-स्पोर्ट्स ने बढ़ाई संभावनाएं

गेमिंग के बढ़ते दायरे के साथ ई-स्पोर्ट्स भी युवाओं के बीच पहचान बना रहा है। गेम खेलने के अलावा गेम डिजाइनिंग, एनीमेशन, प्रोग्रामिंग, गेम टेस्टिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में भी अवसर सामने आए हैं। इससे गेमिंग को केवल टाइमपास के बजाय एक संभावित करियर क्षेत्र के तौर पर भी देखा जाने लगा है।

युवतियों में भी बढ़ी दिलचस्पी

वीडियो गेमिंग अब केवल लड़कों तक सीमित नहीं है। मोबाइल गेम्स की आसान उपलब्धता के कारण छात्राओं और युवतियों में भी गेमिंग की रुचि बढ़ी है। कई युवतियां दोस्तों के साथ ऑनलाइन गेम खेलना पसंद करती हैं और इसे खाली समय में मनोरंजन का विकल्प मानती हैं।

ज्यादा गेमिंग से नुकसान भी

गेमिंग का बढ़ता चलन जहां मनोरंजन और नए अवसर दे रहा है, वहीं लंबे समय तक स्क्रीन पर रहने से आंखों में थकान, नींद का बिगड़ना, शारीरिक गतिविधि कम होना और पढ़ाई या काम पर ध्यान प्रभावित होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार गेमिंग की आदत सामाजिक गतिविधियों और रोजमर्रा की दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकती है। ऑनलाइन गेम्स में इन-ऐप खरीदारी और अनजान लोगों से बातचीत को लेकर भी सावधानी जरूरी है।

इनका कहना है

गेमिंग में अब सिर्फ अच्छा खेलना ही मायने नहीं रखता, बल्कि उसके पीछे की टेक्नोलॉजी और क्रिएटिविटी भी देखने को मिलती है। इससे युवाओं को गेम डिजाइन और दूसरी डिजिटल स्किल्स सीखने की प्रेरणा मिल सकती है।

प्राची गुप्ता
कॉलेज स्टूडेंट

वीडियो गेम मनोरंजन के साथ एकाग्रता और जल्दी निर्णय लेने जैसी क्षमताएं विकसित करने में भी मदद कर सकते हैं। लेकिन जब गेमिंग जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए और पढ़ाई, नींद या रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित होने लगें, तब परेशानी होती है। इसलिए गेमिंग के साथ समय का संतुलन रखना जरूरी है।

वैष्णवी गुप्ता
कॉलेज स्टूडेंट

अधिकारी-कर्मचारियों में कर्तव्यनिष्ठा का जगाया बोध

एमपी ट्रांसको में आई गॉट कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम आयोजित
सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर दिया जोर

नवभारत,जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में भारत सरकार के क्षमता निर्माण मिशन 'मिशन कर्मयोगी' के अंतर्गत आई गॉट कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों-कर्मचारियों में कर्तव्यनिष्ठा, नैतिक मूल्यों, नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना रहा।

कार्यक्रम मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) धीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी अधीक्षण अभियंता नवीन पांडे के समन्वय से आयोजित हुआ। मुख्य अभियंता धीरेंद्र सिंह ने 'राष्ट्रीय कर्मयोगी' की अवधारणा, कर्तव्य आधारित कार्य संस्कृति, टीमवर्क, नेतृत्व और सतत सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दैनिक कार्यों में सेवा भावना को शामिल करते हुए 'कर्मयोगी मोमेंट्स' विकसित करने की बात कही। वहीं अधीक्षण अभियंता नवीन पांडे ने कहा कि सरकारी सेवा केवल दायित्वों के निर्वहन तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान का माध्यम भी है। विभिन्न चरणों में हुए इस कार्यक्रम में 27 प्रशिक्षु कनिष्ठ अभियंताओं तथा लगभग डेढ़ सौ अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की।